A

CCE RR/PR/PF/ NSR/NSPR FULL SYLLABUS

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಲಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU – 560 003

ಆಗಸ್ಟ್ 2024 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ-3

AUGUST 2024 EXAMINATION-3

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H** **Code No. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಎನ್.ಎಸ್.ಆರ್. / ಎನ್.ಎಸ್.ಪಿ.ಆರ್.)

(Regular Repeater / Private Repeater / Private Fresh / NSR / NSPR)

ದಿನಾಂಕ : **02. 08. 2024]** [ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : **100**

Date : 02. 08. 2024] **[Max. Marks : 100**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6 × 1 = 6**
1.	'उचित' शब्द का विलोम रूप है – (A) अनुपम (B) अनुचित (C) औचित्य (D) अनुदार **उत्तर :** (B) अनुचित	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	'गायक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है – (A) कलाकार (B) गायन (C) गायकी (D) गायिका **उत्तर :** (D) गायिका	1
3.	निम्नलिखित में से एकवचन शब्द पहचानिए – (A) टोकरी (B) किताबें (C) नदियाँ (D) कपड़े **उत्तर :** (A) टोकरी	1
4.	'पढ़ना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – (A) पढ़ाई (B) पढ़वाना (C) पढ़ाना (D) पाठ **उत्तर :** (C) पढ़ाना	1
5.	'आकाश' शब्द का समानार्थक है – (A) बादल (B) धरती (C) गगन (D) बरसात **उत्तर :** (C) गगन	1
6.	'आँख लगना' इस मुहावरे का अर्थ है – (A) तैयार रहना (B) चिंता में पड़ना (C) गुस्सा करना (D) नींद आना **उत्तर :** (D) नींद आना	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4 × 1 = 4**
7.	किशोरावस्था : दीर्घ संधि :: अत्यन्त : ..... ।	
	उत्तर : यण् संधि	1
8.	प्रतिदिन : अव्ययीभाव समास :: पूजन–अर्चन : ..... ।	
	उत्तर : द्वन्द्व समास	1
9.	राज्य में भ्रष्टाचार फैल गया था : भूतकाल :: विशेषज्ञ दरबार में हाज़िर होते हैं : ..... ।	
	उत्तर : वर्तमान काल	1
10.	सदैव सत्य बोलनेवाला : सत्यवादी :: अभिनय करनेवाला : ..... ।	
	उत्तर : अभिनेता	1
III.	**एक–एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7 × 1 = 7**
11.	रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी ने शान्तिनिकेतन छोड़कर कहाँ रहने का निर्णय लिया ?	
	उत्तर : रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी ने शान्तिनिकेतन छोड़कर श्रीनिकेतन में रहने का निर्णय लिया ।	1
12.	चंदेल राजाओं के राजकवि कौन थे ?	
	उत्तर :	
	जगनिक चंदेल राजाओं के राजकवि माने जाते थे ।	1
13.	मनुष्य रुपये का गुलाम क्यों है ?	
	उत्तर :	
	रुपया मनुष्य को हज़ार नाच–नचा सकता है, नचा चुका है, नचाता ही रहा है । इस कारण मनुष्य रुपये का गुलाम है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
14.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ?	
	उत्तर :	
	सिर पर सफेद कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	1
15.	कभी परदेश में हो, तब भी कवि डॉ० इकबाल जी का दिल कहाँ होता है ?	
	उत्तर :	
	कभी परदेश में हो, तब भी कवि डॉ० इकबाल जी का दिल अपने वतन में ही होता है ।	1
16.	जग की सड़न को कैसे रोक सकते हैं ?	
	उत्तर :	
	नयी औषधि की सहायता से जग की सड़न को रोक सकते हैं ।	1
17.	परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को किसके सहारे पार करता है ?	
	उत्तर :	
	अदम्य साहस, कौशल और सच्ची लगन के सहारे ही परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को पार करता है ।	1
IV.	**दो–तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10 × 2 = 20**
18.	रुपये ने इस संसार में किन–किन को हराया ? बताइए ।	
	उत्तर :	
	लंका सीता की रुष्टि–तुष्टि से नहीं, बल्कि रुपये की रुष्टि–तुष्टि से जली थी । कौरव द्रौपदी के कोप से नहीं, रुपये के कोप से नष्ट हुए थे । जर्मनी, ब्रिटेन अथवा अमेरिका की चालाकी से नहीं, रुपये की धूर्तता से पराजित हुए ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
19.	कोलकाता के आश्रम में कुत्ते ने कैसा बर्ताव किया ? **उत्तर :** जब गुरुदेव का चिताभस्म कोलकाता के आश्रम में लाया गया, उस समय सहज बोध के बल पर कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शांत गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया और चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा ।	2
20.	समा बँध जाने के अवसर का वर्णन कीजिए । **उत्तर :** बोरिस के घर में रात की बैठक जमी । उसकी भानजी ने गीत सुनाया । अत्यंत मधुर कंठ, मोहक सौंदर्य और देश के लोक-संगीत की मिठास । अनुरोध करने पर उसने एक और गीत सुनाया । धीरे-धीरे सब ताली देने लगे, कुछ इस तरह समा बँध गया ।	2
21.	पहाड़ी लोकगीतों के बारे में जानकारी दीजिए । **उत्तर :** पहाड़ियों के अपने-अपने लोकगीत होते हैं । उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समान भूमि है । गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि के अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं । उनका अलग नाम ही 'पहाड़ी' पड़ गया है ।	2
22.	मानव किन-किन का शिकार बना है ? बताइए । **उत्तर :** मानव कई चीज़ों का शिकार बना है जैसे अज्ञान, हिंसा, शोषण, अन्याय, भ्रष्टाचार, सामाजिक चौखट, अंधकार आदि ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
23.	सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोसताँ हमारा । कैसे ? **उत्तर :** स्वर्ग भी ईर्ष्या करे, ऐसा प्राकृतिक सौंदर्य हिन्दोसताँ का है । यहाँ के लोग बहुधर्मीय होने पर भी, बड़े स्नेह के साथ रहते हैं । संसार का सबसे ऊँचा हिमालय पर्वत इसी देश में है । गंगा, यमुना, सरस्वती जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं । इस देश का कोई भी धर्म आपस में बैर रखने की सीख नहीं देता ।	2
24.	जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच कम देखते हैं । हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता है ? **उत्तर :** मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता । इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग उसकी संवेदना को नहीं छूते । वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं होता ।	2
25.	रैदास ने सेठजी को सुपारी देते समय कैसी शर्त रखी थी ? **उत्तर :** रैदास ने सेठजी को सुपारी देते समय यह शर्त रखी थी कि अगर गंगा मैया हाथ फैलाकर उनकी सुपारी लें तभी भेंट करें नहीं तो उनकी सुपारी वापस लौटा दें ।	2
26.	अफ्रीकावासी बेडेन पावेल को इम्पासी कहकर क्यों पुकारते थे ? **उत्तर :** इम्पासी का अर्थ होता है - कभी न सोनेवाला भेड़िया । अफ्रीकी लोगों ने जासूसी कला में बेडेन पावेल की निपुणता के कारण उन्हें यह नाम दिया था ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
27.	ज्योतिषी और नेपोलियन के बीच हुई बातचीत का विवरण दीजिए । **उत्तर :** एक बार ज्योतिषी ने नेपोलियन का हाथ देखकर कह दिया कि उसके हाथ में भाग्य की रेखा ही नहीं है । नेपोलियन ने उनसे हाथ में भाग्य की रेखा का स्थान जानकर चाकू से रेखा खींची और कहा – ''लीजिए बन गई भाग्य की रेखा । मैं अपने भाग्य का निर्माता स्वयं हूँ ।''	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	**2 × 3 = 6**
28.	जैनेन्द्र । **उत्तर :** i) जन्म काल : जन्म 2 जनवरी सन् 1905 ई० को अलीगढ़ के कौडियागंज गाँव में हुआ । उनके बचपन का नाम आनंदीलाल था । हस्तिनापुर के एक गुरुकुल में उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई । ii) कृतियाँ : उपन्यास → परख, सुनीता, त्यागपत्र, कल्याणी, विवर्त, सुखदा, व्यतीन जयवर्धन । कहानी संग्रह → फाँसी दो चिड़िया, पाजेब, जयसंधि । निबंध → प्रस्तुत प्रश्न, जड़ की बात, पूर्वोदय । (तीन कृतियाँ पर्याप्त हैं) iii) अन्य जानकारियाँ : अनेक ग्रंथों का अनुवाद भी किया है । 24 दिसम्बर सन् 1988 ई० को इनका निधन हुआ ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना । **उत्तर :** i) जन्म काल : 15 सितम्बर सन् 1927 ई० को उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के छोर पर बसे पिकौरा गाँव में हुआ । श्री विश्वेश्वर दयाल सिंह सक्सेना पिता थे । श्रीमती सौभाग्यवती सक्सेना माता थीं । ii) कृतियाँ : काठ की घंटियाँ, खूँटियों पर टंगे लोग, सोया हुआ जल, बकरी, अंधेरे पर अंधेरा । iii) अन्य जानकारियाँ : दिनमान, पराग पत्रिकाओं के संपादक रहे । कुछ समय तक आकाशवाणी में कार्यरत रहे । 'खूँटियों पर टंगे लोग' काव्य संग्रह को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इनकी मृत्यु सन् 1983 ई० में हुई।	3
VI.	**छन्द पहचानिए।**	**3**
30.	तनिक सीत जल सो मिटै, जैसे दूध उफान । **उत्तर :** |||ऽ|||ऽ|ऽ ऽऽऽ||ऽ| तनिक सीत जल सो मिटै, जैसे दूध उफान । 13 , 11 = 24 (i) इसमें दोहा छन्द है । (ii) मात्रिक छन्द है । (iii) दोहे की हर पंक्ति में 24-24 मात्राएँ होती हैं । (iv) चरणांत तुक मिलती है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**3**
31.	कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।	
	उत्तर :	
	इसमें 'कनक' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है जो एक भिन्नार्थक शब्द है । जैसे 'धतूरा' और 'सोना' के अर्थ में । इस कारण यहाँ यमक अलंकार का प्रयोग हुआ है ।	
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	**4 × 3 = 12**
32.	''ढाई सौ रुपये के लिए भाई से भीख माँगोगी'' ?	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : अकबरी लोटा	
	लेखक का नाम : श्री अन्नपूर्णानंद वर्मा	
	संदर्भ व व्याख्या : जब झाऊलाल की पत्नी ने एक दिन यकायक ढाई सौ रुपये की माँग पेश की तब उनका जी एक बार ज़ोर से सनसनाया । उनकी दशा देखकर उनकी पत्नी ने कहा कि वे न डरें, देने में असमर्थ हैं तो वह अपने भाई से माँग लेगी । इस मीठी मार से झाऊलाल तिलमिला उठे और किंचित रोब के साथ अपनी बीबी से यह बात कहते हैं ।	
	विशेषता : झाऊलाल के स्वाभिमान और बड़प्पन का बोध होता है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
33.	''इस कल में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं जिन्हें आत्मा की पुकार कहते हैं ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई संदर्भ व व्याख्या : भ्रष्टाचार मिटाने की कोशिश में साधु ने सदाचार का तावीज़ बनाया था । वह मंत्रों से सिद्ध था । जिस आदमी की भुजा पर वह बँधा होगा वह एकदम सदाचारी हो जायेगा । जब साधु राजा और दरबारियों को अपने तावीज़ की जानकारी देने लगा तब उसने सबसे यह बात बताई । विशेषता : इस बात से यह पता चलता है कि आदमी सदाचारी अथवा भ्रष्टाचारी क्यों बनता है ।	3
34.	''पूजा के पश्चात भोजन तक मैं किसी वस्त्र आदि का स्पर्श नहीं करता ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : सच्चा धर्म लेखक का नाम : सेठ गोविन्द दास संदर्भ व व्याख्या : दिलावर खाँ, रहमान बेग के साथ पुरुषोत्तम के घर पहुँचा । पुरुषोत्तम उन दोनों को बिछावन पर बिठाते हैं । उसी समय दिलावर खाँ पुरुषोत्तम को भी बिछावन पर बैठने को कहता है । पर पुरुषोत्तम बैठने से मना करते हुए दिलावर खाँ से ऊपर की बात कहते हैं । विशेषता : ब्राह्मणों की जीवनशैली का चित्रण ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	''अनदेखे अरूप को, उधार देते मैं डरता हूँ, क्या जाने यह याचक कौन है ?'' **उत्तर :** कविता का नाम : सवेरे उठा तो धूप खिली थी कवि का नाम : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' संदर्भ व व्याख्या : कवि अज्ञेय जी धूप, चिड़िया, घास, शंखपुष्पी, हवा, लहर आकाश–इन सबसे उनके अपूर्व गुणों को उधार लेकर अपने जीवन को समृद्ध बना लेते हैं । पर जब उनके सपने में अनदेखे अरूप ने थोड़ा सा प्यार उधार माँगा तो अज्ञेय जी ने प्यार उधार देन से मना कर दिया क्योंकि मानव लेना जानता है, देना उसकी प्रकृति नहीं । विशेषता : मानव के वास्तविक जीवन का चित्रण ।	3
IX.	**चार–पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	**3 × 3 = 9**
36.	पैरों में कील के चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ चुप क्यों थे ? **उत्तर :** हमारी जिंदगी संघर्षों से भरी हुई है । एक के बाद एक खींचतान लगी ही रहती है और चैन नहीं मिल पाता । इसलिए जीवन में आनंद के क्षण बहुत कीमती होते हैं, जो जीवन को गुदगुदा दें और खींचतान की तेज़ी को भुला दें । सब बंधु रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी का भाषण सुनकर आनंद ले रहे थे और ठाकुर जी सबको आनंद परोसने का आनंद ले रहे थे । ऐसे क्षण में रवीन्द्रनाथ जी अपने दुःख की ओर ध्यान देते, तो वह क्षण खंडित हो जाता । इसलिए पैरों में कील चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ चुप थे ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	आलूर वेंकटराव जी के नूतन विद्यालय के बारे में लिखिए । **उत्तर :** मित्रों की सहानुभूति, जाने-माने व्यक्तियों से धन सहायता, दूसरे गाँवों से धन सहायता के फलस्वरूप 26.01.1909 ई० के दिन धारवाड़ में कर्नाटक नूतन विद्यालय अस्तित्व में आया । छात्रों को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना इस विद्यालय का उद्देश्य था । इसलिए इस स्कूल के पाठ्यक्रम में लकड़ी का काम, मुद्रण, बुनाई, दियासलाई बनाना, पेंसिल बनाना आदि सिखाना समाविष्ट था । वेंकटराव जी इस स्कूल के गौरव सचिव थे । वेतन नहीं लेते थे ।	3
38.	भ्रमर के व्यवहार से हमें कैसी सीख मिलती है ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** कवि बिहारीलाल बताते हैं कि विपरीत समय आने पर सच्चे प्रिय जन अपने आश्रय स्थल को एकदम नहीं छोड़ते । वे अच्छे समय के लौटने के इंतजार में उनके साथ ही रहते हैं । दुर्दिन को देखकर गुलाब का प्रेमी भौंरा पुष्प-रहित गुलाब के पौधे की जड़ में अटका रहता है । उसे पूरा विश्वास रहता है कि पुनः वसंत ऋतु आएगी और उन डालों में पहले जैसे रंगीन पुष्प और पत्ते खिलेंगे ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1 × 4 = 4**
39.	जग में सुख	
	.....	
	.....	
	..... को गले लगाना ।	
	अथवा	
	पैदा कर जिस	
	.....	
	.....	
	..... स्वजीवन सारा ।	
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्‌गुण को, सद्‌गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ–जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा ।	
	किये हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI. 40.	**पद्यांश का भावार्थ :** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न हैं, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है । **अथवा** अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है । हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है । **उत्तर :** भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि भगवान के सामने कोई गरीब या अनाथ नहीं है । यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगी तो कहीं भी पानी की कोई कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब-कुएँ हैं । चन्नमल्लिकार्जुन की कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । आप ही मेरा प्रिय आत्म-सखा हैं । **अथवा**	**4** 4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	भावार्थ : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है । क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों के संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जायेंगे । जैसे दही के मथने से आसानी से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूर पर्वत की ज्योति को पाने के समान है ।	
XII.	**आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।**	**2 × 4 = 8**
41.	किन-किन अपमानों के बाद महात्मा गाँधीजी उद्विग्न रहने लगे ? विवरण दीजिए ।	
	अथवा	
	गाँधीजी द्वारा चलाये गये आंदोलनों का महत्व समझाइए ।	
	उत्तर :	
	'अब्दुल्ला एण्ड कम्पनी' के मुकदमें की पैरवी के लिए गाँधीजी को दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा । अदालत में जब आप अपने केस की पैरवी करने गये, तो जज ने आपसे पगड़ी उतारने को कहा । गाँधीजी ने इसे अपना अपमान समझा और आप बिना पगड़ी उतारे बाहर चले आए । इस घटना के कुछ दिनों बाद गाँधीजी रेलगाड़ी के प्रथम दर्जे के डिब्बे में यात्रा कर रहे थे । एक अंग्रेज ने आकर गाँधीजी को उतारना चाहा । उन्होंने उसे टिकट भी दिखाया । अंग्रेज़ ने टिकट की परवाह किए बिना उन्हें धकेलकर नीचे उतार दिया । दक्षिण अफ्रीका में अंग्रेजों द्वारा गाँधीजी का कई बार अपमान हुआ । इन अपमानों के बाद गाँधीजी उद्विग्न रहने लगे ।	4
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	दक्षिण अफ्रीका में गाँधीजी ने भारतीयों के लिए अपमानजनक कानून के विरोध में सत्याग्रह आरंभ कर दिया । सत्याग्रह का यह सबसे पहला प्रयोग था । जनरल स्मट्स ने गाँधीजी को उक्त कानून रद्द करने का वचन दिया, पर उसने अपना वचन पूरा नहीं किया । गाँधीजी को फिर सत्याग्रह करना पड़ा । अन्त में स्मट्स को उक्त कानून में सुधार करने पड़े । वीरमगाम में जकात के संबंध में जनता बड़ी दुःखी थी । गाँधीजी ने उनका दुःख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने इन शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । गाँधीजी ने बिहार के चंपारन जिले के किसानों की समस्या का हल किया । सार्वजनिक उपवास के अस्त्र के प्रयोग ने मिल मालिक और मज़दूरों की समस्या का हल किया । 'रौलट एक्ट' के विरोध में गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन चलाया ।	
42.	मन्नू भण्डारी जी के घर-परिवार का परिचय दीजिए । **अथवा** मन्नु भण्डारी जी के जीवन में शीला अग्रवाल जी का पात्र कैसा था ? विवरण दीजिए । **उत्तर :** मन्नू भण्डारी का जन्म मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में हुआ था । अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में दो मंजिला मकान में रहते थे । ऊपरी मंज़िल में उनके पिताजी का साम्राज्य था । नीचे मन्नू जी अपने भाई, बहन व माँ के साथ रहती थी । उनकी माँ बेपढ़ी-लिखी, व्यक्तित्व विहीन थीं । धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति उनमें थी । पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और ज़िद को अपना फर्ज़ समझकर स्वीकार करती थीं । पाँच भाई-बहनों में मन्नू सबसे छोटी थीं । सुशीला उनकी बड़ी बहन जो	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	मन्नू से दो साल बड़ी थीं । घर के बड़े आँगन में बचपन के सारे खेल खेले जैसे सतोलिया, लँगड़ी टाँग, पकड़म-पकड़ाई, काली-टीलो आदि । भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया । **अथवा** सन् 1945 ई० में जैसे ही दसवीं पास करके मन्नू 'फर्स्ट इयर' में आई, हिन्दी की प्राध्यापिका शीला अग्रवालजी से परिचय हुआ । सावित्री गर्ल्स हाई स्कूल जहाँ मन्नूजी ने ककहरा सीखा, एक साल पहले ही कॉलेज बना था । उन्होंने ही मन्नू जी को साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया । मात्र पढ़ने को, चुनाव करके पढ़ने में बदला, खुद चुन-चुनकर किताबें दीं, पढ़ी हुई किताबों पर बहसें कीं । शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने-समझने का जो सिलसिला पिताजी ने शुरू किया था, शीला जी ने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया । शीलाजी की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया ।	
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	**2 × 2 = 4**
43.	नागालैण्ड भारत का एक छोटा-सा राज्य है । सारा ही प्रदेश पहाड़ों से भरा हुआ है । यहाँ वर्षा भी काफी होती है जिससे पहाड़ों पर सीढ़ीनुमा खेतों में अच्छी उपज होती है । नागा लोग छोटे-छोटे गाँवों में रहते हैं । गाँवों के चारों ओर पत्थर या लकड़ी की चहारदीवारी बनी होती है । नागाओं के मकान लकड़ी के बने होते हैं । बहुत बार बल्लियों के ऊपर कुछ	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	ऊँचाई पर भी मकान बनाए जाते हैं । जंगलों में रहनेवाले नागाओं का रहन-सहन आज के पढ़े-लिखे नागाओं से अवश्य भिन्न है । इनमें शेर और चीते की खाल का पहनावा, जंगली जानवरों के सींगों के गहने, रंग-बिरंगे बालों में पिरोई हुई कौड़ियों की मालायें, कंधे पर शेर के बाल तथा हाथ में भाला रखना अब भी प्रचलित है । a) नागाओं के मकान कैसे होते हैं ? b) जंगल में रहनेवाले नागाओं का जीवन पढ़े-लिखे नागाओं से भिन्न है । कैसे ? **उत्तर :** a) नागाओं के मकान लकड़ी के बने होते हैं, बहुत बार बल्लियों के ऊपर कुछ ऊँचाई पर भी मकान बनाए जाते हैं ।	2
	b) जंगल में रहनेवाले नागाओं में शेर और चीते की खाल का पहनावा, जंगली जानवरों के सींगों के गहने, रंग-बिरंगे बालों में पिरोई हुई कौड़ियों की मालायें, कंधे पर शेर के बाल तथा हाथ में भाला रखना अब भी प्रचलित हैं ।	2
XIV.	**पत्र लेखन ।**	**1 × 5 = 5**
44.	अपने जन्म दिन का कारण बताकर दो दिनों की छुट्टी का निवेदन करते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए । **अथवा** शैक्षिक यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रु० 3,000 भेज देने की विनती करते हुए अपने पिताजी के नाम पत्र लिखिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
	उत्तर :		
	व्यावहारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में :	$\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन – विषय :	1	
	iv) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	v) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	5
	अथवा		
	पारिवारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन–अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
XV.	**निबंध लेखन ।**		**1 × 5 = 5**
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :		
	i) राष्ट्रीय त्योहार		
	ii) पर्यावरण प्रदूषण ।		
	उत्तर :		
	(i) भूमिका	1	
	(ii) विषय विश्लेषण	2	
	(iii) उपसंहार	1	
	(iv) भाषा और शैली ।	1	